दैनिक
लोक टुडे
जनता की आवाज...
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 12 | अंक: 351 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | सोमवार 06 जुलाई 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए दिखा अभूतपूर्व उत्साह

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं सतत प्रयास लाए रंग

रिफाइनरी उद्घाटन समारोह बना जनसहभागिता का उत्सव, ऐतिहासिक गौरवशाली क्षण के साक्षी बने 53 लाख से ज्यादा प्रदेशवासी

वर्चुअल माध्यम से जुड़ कर स्थापित किया अनूठा कीर्तिमान

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं सतत प्रयासों से राजस्थान रिफाइनरी उद्घाटन समारोह ने जनसहभागिता और डिजिटल कनेक्टिविटी के नए आयाम स्थापित किये हैं। इस अवसर पर राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। 53 लाख से अधिक प्रदेशवासी वर्चुअल माध्यम से जुड़कर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रदेश को 1 लाख 5 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी, जो प्रदेश की प्रगति को नई दिशा प्रदान करेगी। इस ऐतिहासिक अवसर ने राजस्थान को विकास की नई उचाईयों की ओर अग्रसर करने के संकल्प को और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में शनिवार को बालोतरा के पचपदरा में आयोजित मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण व्यापक स्तर पर सुनिश्चित किया गया। इस आयोजन को प्रदेशभर की 12 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों, जिला मुख्यालयों सहित समस्त नगर पालिका, नगर परिषद एवं नगर निगम मुख्यालयों से जोड़ा गया। वर्चुअल माध्यम से जनप्रतिनिधियों, नवनियुक्त राजकीय कार्मिकों सहित 53 लाख से अधिक प्रदेशवासियों ने जुड़कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ओजस्वी भाषण सुना एवं समारोह में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक वर्चुअल माध्यम से समारोह का प्रसारण करने के निर्देश दिये थे,जिसके परिणाम स्वरूप जन-जन का उत्सव बन सका।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ली सहकारिता विभाग की ली बैठक: सहकारिता ग्रामीण समृद्धि और रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम

राज्य सरकार कर रही 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार:मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सहकारिता में राजस्थान का शानदार प्रदर्शन,मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नई दिल्ली में राष्ट्रीय समारोह में करेंगे शिरकत

सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित होगा सहकारिता मंत्रालय का 5वां स्थापना दिवस समारोह

प्रदेश के सहकारिता में नवाचारों,सुधारों और उपलब्धियों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण समृद्धि और रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम है। इससे किसानों, पशुपालकों, युवाओं और ग्रामीण परिवारों के लिए नए अवसर सृजित होते हैं तथा गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सहकारिता के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को धरातल पर उतारते हुए राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सहकारिता विभाग की आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि सहकारिता विभाग द्वारा निर्मित गोदामों का समुचित एवं अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सहकारिता के दायरे को नई गतिविधियों तक विस्तारित करते हुए

नवाचारों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने सहकारी मॉडल आधारित 'भारत टैक्सी' पहल को प्रदेश में बढ़ावा देने तथा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों को प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए।

देशभर में गूंजेगी राजस्थान की सहकारिता मॉडल की सफलता

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में सोमवार (6 जुलाई) को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सहकारिता मंत्रालय का 5वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित होगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल होंगे। इस राष्ट्रीय मंच के माध्यम से राजस्थान के सहकारिता मॉडल के नवाचार, सुधार एवं ऐतिहासिक उपलब्धियां देशभर में गूंजेगी तथा इससे प्रदेश को नई पहचान भी मिलेगी।

सहकारी संस्थाओं के डिजिटलीकरण में राजस्थान अग्रणी प्रदेश

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने सहकारिता के क्षेत्र में अनेक राष्ट्रीय उपलब्धियां हासिल करते हुए देश में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत राज्य में 200 गोदाम स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 120 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। राजस्थान इस योजना के क्रियान्वयन में देश में प्रथम स्थान पर है।

इसी प्रकार प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को भारतीय बीज सहकारी समिति की सदस्यता दिलाने, नई बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के गठन, ई-पैक्स के कम्प्यूटरीकरण तथा 10 करोड़ से अधिक ईआरपी ट्रांजेक्शन के माध्यम से सहकारी संस्थाओं के डिजिटलीकरण में भी राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। राज्य की पैक्स आज कॉमन सर्विस सेंटर, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, किसान उत्पादक संगठन जैसी बहु-सेवाएं संचालित कर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा वितरण का प्रभावी मॉडल बन चुकी हैं।

सहकार परिवार को हो रहा विस्तार, 8.90 लाख नए सदस्य जुड़े

राजस्थान ने सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। राजस्थान में किसान सम्मान निधि, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना एवं रिस्क रीलीफ फंड स्कीम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी तरह वर्ष 2025-26 में सहकारी बैंकों एवं पैक्स द्वारा वितरित फसली ऋणों की 97.48 प्रतिशत वसूली एवं राजफेड द्वारा समर्थन मूल्य खरीद में प्रभावी भुगतान प्रणाली लागू कर किसानों को भुगतान की अवधि 15 दिनों से घटाकर मात्र 4-5 दिन किए जाने का उल्लेखनीय कार्य किया गया है। सहकार सदस्यता अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में 8.90 लाख नए सदस्यों को सहकारिता से जोड़ा गया। गौरतलब है कि राजस्थान को सहकारिता मंत्रालय के स्थापना दिवस के राष्ट्रीय समारोह में आमंत्रित किया गया है। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास सहित मुख्यमंत्री कार्यालय,वित्त एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के बाल गृहों का किया निरीक्षण

कौशल विकास,शिक्षा और मरम्मत कार्यों में तेजी के दिया कुमारी ने दिए निर्देश

जयपुर।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुर स्थित राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह,राजकीय बालिका गृह गांधी नगर तथा राजकीय शिशु गृह गांधी नगर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने किशोरों के आवास,शिक्षा,स्वास्थ्य,पोषण,सुरक्षा,कौशल विकास एवं पुनर्वास से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक किशोर को सुरक्षित,संवेदनशील और सकारात्मक वातावरण मिले,ताकि वह शिक्षा,संस्कार और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन को नई दिशा दे सके।

दिया कुमारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बाल गृहों की भवन संबंधी स्थिति का भी आकलन किया गया।जहां-जहां मरम्मत की आवश्यकता है,वहां शीघ्र कार्य कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार इन कार्यों को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने बच्चों के कौशल विकास पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।साथ ही,स्कूल जाने योग्य बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं,ताकि उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई संस्था या उद्योग समूह कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से बच्चों के विकास में सहयोग करना चाहता है तो सरकार उसका स्वागत करेगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में समाज की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

निरीक्षण के दौरान दिया कुमारी ने बच्चों से भी संवाद किया। उन्होंने बताया कि बच्चे खुश नजर आए और विभागीय अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की उन्होंने सराहना की। साथ ही जहां आवश्यक है वहां मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा बच्चों की शिक्षा, कौशल विकास और पुनर्वास को लेकर भी चर्चा की।

समीक्षा बैठक के दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन लाइन 1098 पर कॉल कर इसका संचालन बच्चों की आपातकालीन सेवाओं के लिए ठीक प्रकार से किया जा रहा है या नहीं की विस्तृत जानकारी ली गई।

मीडिया से बातचीत में आंगनबाड़ी केंद्रों के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इनके सुदृढ़ीकरण के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पहली बार आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए अलग से बजट उपलब्ध कराया गया है। जर्जर भवनों में संचालित आंगनबाड़ियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है, जबकि मरम्मत योग्य केंद्रों में तेजी से कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद इस स्तर पर आंगनबाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का अभियान चलाया जा रहा है ।

राममंदिर में हुए घोटाले और चंदा चोरी के विरोध में खाचरियावास के नेतृत्व में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने किया प्रदर्शन भाजपा सरकार का जलाया पुतला

राममंदिर निर्माण के घोटाले और चढ़ावे की चोरी की हो जाँच:प्रताप सिंह खाचरियावास

जयपुर।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में आज जयपुर के कलेक्ट्री सर्किल पर सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राम मंदिर निर्माण और चढ़ने में हुए घोटाले और चोरी के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार बताते हुए पुर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया,खाचरियावास ने कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री रामचंद्र जी की आरती गाकर की 'रामचन्द्र कृपालु भज मन, हरण भव भय दारुणम।,नवकंज लोचन,कंज मुख,कर कंज पद कंजारुणम॥

इस अवसर पर सैकड़ो प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रताप सिंह का खाचरियावास ने कहा कि राजधानी जयपुर से कांग्रेस पार्टी यह मांग करती है कि राम मंदिर निर्माण में और चढ़ावे में हजारों करोड़ का घोटाला हुआ है इस घोटाले की जांच स्वच्छ भारत सरकार के अंडर में ईमानदारी से नहीं कर सकती स्वच्छ की जांच सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में होनी चाहिए क्योंकि राम मंदिर निर्माण से लेकर राम मंदिर के चढ़ावे तक चंदे में और निर्माण के पैसा इकट्ठा करने में बेनामी सोना चांदी और रुपए

इकट्ठे करने में सारा नियंत्रण भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं और उसके संगठनों का रहा है ऐसे में असली बड़े मगरमच्छ जो भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता है वह छोटे लोगों को बंद कराकर बच जाएंगे यह भारत के करोड़ लोगों और पूरे देश की भावनाओं से जुड़ा हुआ मामला है ,भगवान राम ने चमत्कार दिखाया है बीजेपी की चोरी को खोल दिया है भाजपा इस घोटाले से बच नहीं सकती इसलिए सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में आज तक के हिसाब से बड़े घोटाले की जांच होनी चाहिए राम मंदिर के सबसे पहले ताले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने खुलवाए थे और वहां राम भगवान राम की पूजा अर्चना शुरू करवाई थी उसके बाद भाजपा बीच में आ गई और पूरे देश में राम मंदिर निर्माण के नाम पर हजारों करोड रुपए इकट्ठा किया गया बाद में चढ़ावे का पैसा आया और अब बड़ी चोरी हो गई ऐसे में भाजपा ने लोगों के सेंटीमेंट के साथ धोखा किया लोगों के सीने में आग लग रही है भाजपा का अंत तय है क्योंकि जो भगवान राम से धोखा कर सकते हैं राम के नाम पर जनता को लूट सकते हैं वह देश का भला नहीं कर नहीं कर सकते खाचरियावास ने कहा कि आंदोलन लगातार पूरे देश में कांग्रेस पार्टी करेगी और राजस्थान की राजधानी सहित पूरे राजस्थान में सब जगह राम मंदिर निर्माण में जो घोटाला हुआ है उसके विरोध में कांग्रेस सड़कों पर आंदोलन करेगी और कांग्रेस फिर यह मांग करती है की स्वच्छ की जांच राम मंदिर निर्माण में घोटाले की जांच सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में होनी चाहिए आज इस धरना प्रदर्शन में सैकड़ो की तादाद में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता पूरे जयपुर के कलेक्ट्री सर्किल पर नारे लगाते हुए मंदिर घोटाले की जांच करो जय सियाराम, राम के घर में चोरी करने वालों का नाश हो ,भाजपा सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता 3:00 बजे से ही कलेक्टर सर्कल पर पहुंचना शुरू हो गए थे जुलूस बनाकर बड़ा प्रदर्शन आज कांग्रेस का देखने को मिला लोगों में राम के प्रति आस्था आज के बड़े प्रदर्शन में देखे नजर आ रही थी आज पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियवास के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में जयपुर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील शर्मा,पूर्व अध्यक्ष आर आर तिवारी,पूर्व विधायक गंगा देवी साथ सेंकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्या नितिन गडकरी की ई20 नीति की वजह से खराब हो रही हैं गाड़ियां?

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं।

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है।

देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं।

इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। 'टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैम' के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का

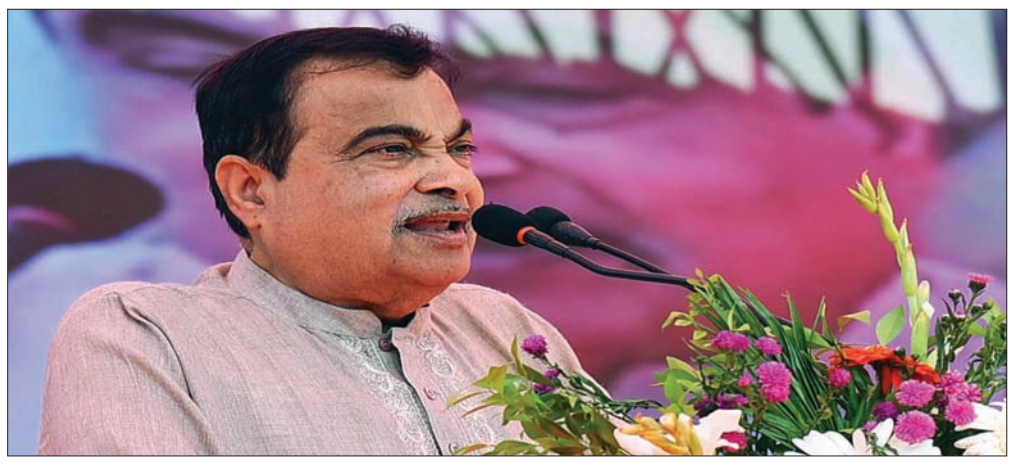

कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं।

देखा जाये तो विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी 'चल रहा प्रयोग' बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल 'सर्वश्रेष्ठ प्रयास' के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है। उन्होंने सरकार से ई20 की अनिवार्यता पर पुनर्विचार कर ई5 या ई10 जैसे विकल्प फिर से उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं देशी और विदेशी वाहन निमार्ता कंपनियों ने ई20 पेट्रोल को लेकर मिश्रित लेकिन संतुलित रुख अपनाया है। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा, होंडा और किआ जैसी कंपनियों ने कहा है कि अप्रैल 2023 के बाद बने अधिकांश नए वाहन ई20 अनुकूल बनाए जा चुके हैं और उनमें इस ईंधन के इस्तेमाल से कोई बड़ा सुरक्षा खतरा नहीं है। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने भी माना है कि ई20 से माइलेज में लगभग 2 से 4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे स्थायी इंजन क्षति का कोई प्रमाण नहीं मिला है। वहीं महिंद्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि ई20 सुरक्षित तो है, लेकिन इससे परफॉर्मेंस और माइलेज पर असर पड़ सकता है। टोयोटा सहित कई कंपनियों ने अपने नए पेट्रोल मॉडलों को ई20 अनुकूल घोषित किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों और कंपनियों ने पुराने वाहनों में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार इस योजना का बचाव कर रही है। सरकार का दावा है कि भारत ने निर्धारित समय से पहले दिसंबर 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम से देश को 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भारी कमी आई। सरकार का कहना है कि इससे 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प तैयार हुआ। सरकार का यह भी कहना है कि वाहन कंपनियों और सियाम के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही ई20 लागू किया गया और कई निमार्ता वर्ष 2009 से ही ई20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी माइलेज घटने के दावों को मामूली बताया है। उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन से इंजन की नॉकिंग कम होती है और वाहन की गति क्षमता बेहतर होती है। वहीं नितिन गडकरी ने एथनॉल विरोधी प्रचार को 'पेड कैंपेन' करार दिया है। उनका आरोप है कि पेट्रोलियम लॉबी भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से परेशान है और इसलिए दुष्प्रचार कर रही है। गडकरी ने यह चुनौती भी दी कि दुनिया में कोई एक उदाहरण दिखाया जाए जहां ई20 पेट्रोल से वाहन स्थायी रूप से खराब हुए हों।

बहरहाल, फिलहाल एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा। एक ओर सरकार इसे किसानों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी कदम बता रही है, तो दूसरी ओर उपभोक्ता, वाहन मालिक और कुछ उद्योग विशेषज्ञ इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। आने वाले समय में यह बहस केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़कों, अदालतों और राजनीतिक मंचों तक और तेज होती दिखाई दे सकती है।

संपादकीय

पालमपुर में मॉल रोड

एक हल्की सी शुरूआत भी कारवां बदल देती है और इधर हम सदियां गुजार देते हैं बिना कुछ किए। एक सुखद खबर पालमपुर से आई है। पालमपुर के एसडीएम डा. ओपी यादव ने शहर की तासीर में व्यवस्था बसाने की कोशिश करते हुए मुख्य बाजार को मॉल रोड बनाने का जिम्मा उठा लिया। मॉल रोड यानी वाहन प्रतिबंधित मार्ग। शुक्रवार से रविवार तक शहर का मुख्य बाजार पांच से आठ बजे तक वाहन रहित चलेगा। यह कोई पहली कोशिश नहीं। कई प्रशासनिक अधिकारियों ने अलग-अलग शहरों में मुख्य बाजारों या कुछ अहम सडकों को मॉल रोड बनाने की कोशिश की, लेकिन राजनीतिक दखल, संकीर्णता और नागरिक असहयोग से ऐसा संभव नहीं हो पाया। ऐसे में पालमपुर से हो रहा श्रीगणेश शहरी विकास का अनुशासित पहलू दर्ज कर सकता है। शहरों के बाजारों में पर्यटन की मस्ती अगर कायम करनी है, तो इन्हें वाहन रहित घोषित करना पड़ेगा। मंडी, धर्मशाला, कुल्लू, हमीरपुर, कसौली, डलहौजी व तमाम मंदिरों के प्रमुख बाजारों तथा अहम सडकों को वाहन रहित घोषित करने की जरूरत तब पूरी होगी, जब व्यापार मंडल भी सहयोग करेंगे। करीब डेढ़ दशक पूर्व हमीरपुर के मुख्य बाजार को वाहन रहित मॉल रोड बनाने की मांग उठी, लेकिन व्यापार मंडल नहीं माना। धर्मशाला में ऐसे प्रयास विफल रहे, बल्कि व्यापार मंडल द्वारा वन-वे मानचित्र बनाने की कोशिश में भी जनता आड़े आ गई। वाहन रहित बाजार भले ही समय की मांग हैं, लेकिन ऐसे निर्णयों को अमल में लाने के लिए आवश्यक विकल्पों और नीति-नियमों पर गौर करना होगा। वाहन रहित बाजारों की परिकल्पना में शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आम नागरिक की सहूलियत से जोडा होगा। पालमपुर के बाजार को मॉल रोड घोषित करने के साथ महापार्किंग तथा बाजार तक पहुंचने के लिए इलेक्ट्रिक कार्ट जैसी सुविधा देनी होगी। धार्मिक स्थलों पर बस स्टैंड से मंदिर परिसरों तक रोपवे बिछा कर, वाहन रहित विकल्प तराशे जा सकते हैं। हिमाचल का शहरी पुनर्गठन आवश्यक है और इसके तहत तमाम नगर निगमों के तहत, शहरी विकास योजनाओं का प्रारूप अब अगली सदी के संबोधन में साबित करना होगा। कोलकाता जैसे कई प्राचीन शहरों ने इस लिहाज से कई परियोजनाओं पर काम किए हैं। कोलकाता के बीचों-बीच स्थित कई स्कूल इसलिए अन्यत्र शिफ्ट किए ताकि परिवहन की बाधाएं हटें। कई शहरों में नए ट्रांसपोर्ट कोरिडोर बनाए जा रहे हैं। हिमाचल में परिवहन के विकल्प तथा भौगोलिक स्थिति के अनुरूप रज्जु मार्ग, झूला पुल तथा पैदल भ्रमण कोरिडोर विकसित करने होंगे। इतना ही नहीं, हर शहर की दीर्घकालीन परियोजनाओं में न्यू मार्किट, सब्जी बाजार, कार्यालय परिसर, सामुदायिक मैदान, महापार्किंग स्थल, स्थानीय परिवहन नेटवर्क, टैक्सी स्टैंड, वोल्वो बस स्टैंड, सामुदायिक सेवा स्थल-काउंटर, मनोरंजन पार्क तथा विभिन्न गतिविधियों के जोन स्थापित करने होंगे। बेशक हिमाचल के कुछ शहर नगर निगमों के परिचय से सुसज्जित हो गए हैं, लेकिन इनके परिचय में निखार के लिए नीतियों, कार्यक्रमों, योजनाओं, परियोजनाओं और प्राथमिकताओं में बदलाव चाहिए।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन और बलिदान से देश को दिए प्राण

हेमेन्द्र क्षीरसागर

डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र के चरमोत्कर्ष, एकता और अखण्डता की यज्ञवेदी पर अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शि?क्षाविद्, लेखक, सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीघ्र ही एक प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निमार्ताओं में से थे।

राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक डां श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य। जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिद्धातों से समझौता नहीं किया। हॉ, मैं हिन्दू हूँ इस देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैं। यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा।

डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फॅसना नहीं, वरन उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, 'कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।' इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र, किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुॅच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहॉ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं।

संकल्पित, मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे।

डॉ. मुखर्जी को अपने जीवन में बडी चुनौती का समना दो वर्ष बाद 1953 में करना पडा। जम्मू और कश्मीर में शेख अब्दुल्ला की पृथकतावादी राजनीतिक गतिविधियों से उभरी अलगाववादी प्रवृत्यिां 1952 तक बल पकडने लगी थीं, जिससे राष्ट्रीय मानस विक्षुब्ध हो उठा। डॉ. मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के सत्याग्रह को पूर्ण दिया जिसका उद्देष्य जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना था। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा था, अलग संविधान था और वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था।

डॉ. मुखर्जी ने जोरदार नारा बुलन्द किया थाः ' एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान, नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त कियाः या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।' अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने नई

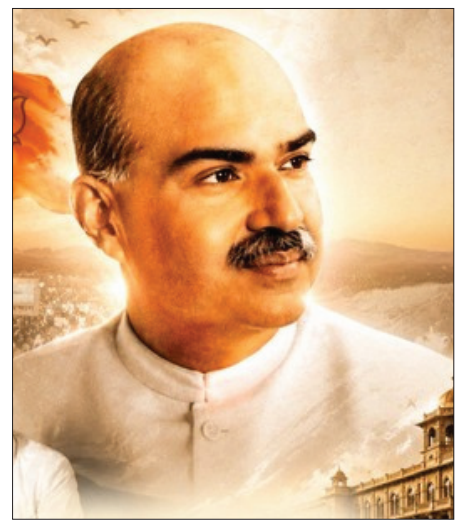

दिल्ली में नेहरू सरकार और श्रीनगर में शेख अब्दुला की सरकार को चुनौती देने का निश्चय किया और पं. नेहरू से कहा कि वे जम्मू जरूर जाएंगे और बिना 'परमिट' के जाएंगे।

बलिवेदी, 11 मई को रावी पर करते समय ही लखनपुर में डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल ले जाया गया। 40 दिन तक न उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और न अन्य बुनियादी सुविधाएं दी गई। भारत का यह शेर श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को चिरनिद्रा में सोया गया। श्रद्धांजलि स्वरूप नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35 ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। यह ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम था।

अगले जनम मोहे बिटिया ना कीजो

मेलोडियस पीहू

बेटी होना केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि ईश्वर का सबसे सुंदर विश्वास है। एक बेटी अपने माता-पिता की उम्मीद होती है, उनके संघर्षों का परिणाम होती है, उनके सपनों की उड़ान होती है। माँ अपनी ममता और पिता अपनी पूरी ज़िंदगी लगा देते हैं ताकि उनकी बेटी या बेटा एक अच्छा इंसान बन सके।

लेकिन आज जब आए दिन ऐसी खबरें सामने आती हैं कि कहीं पत्नी ने पति की हत्या कर दी, कहीं पति ने पत्नी की हत्या कर दी, कहीं माँ अपने बच्चों को छोड़कर चली गई, कहीं पिता ने परिवार उजाड़ दिया, कहीं सास और दामाद के रिश्ते जैसी शर्मनाक घटनाएँ सामने आ रही हैं, तो मन एक ही सवाल पूछता है– आखिर हमारे समाज को हो क्या गया है?

हाल के कुछ चर्चित मामलों–जैसे राजा रघुवंशी हत्याकांड, सोनम रघुवंशी, सिया गोयल, मुस्कान और अन्य मामलों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यदि किसी मामले में आरोप सिद्ध होते हैं, तो वह अपराध किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक व्यक्ति के अपराध के आधार पर पूरी बेटी जाति या पूरे महिला समाज को कटघरे में खड़ा न किया जाए। अपराधी, अपराधी होता है–चाहे वह पुरुष हो या

महिला।

लेकिन एक बेटी होने के नाते मैं हर बेटी से कुछ कहना चाहती हूँ...

बहन, अगर तुम्हें किसी लड़के से शादी नहीं करनी है, तो साफ मना कर दो।

अगर परिवार तुम्हारी बात नहीं सुन रहा, तो उस लड़के को सच बता दो। उसके परिवार को बता दो। किसी भरोसेमंद रिश्तेदार, दोस्त, शिक्षक या किसी बड़े की मदद ले लो। अपनी आवाज उठाओ। कानून का सहारा लो। घर छोड़ दो, लेकिन किसी की जान मत लो।

याद रखो...

टूटा हुआ रिश्ता फिर भी जीवन जीने देता है, लेकिन छीनी हुई ज़िंदगी कभी वापस नहीं आती।

जिस लड़के को तुम मारती हो, उसके साथ केवल एक इंसान नहीं मरता। उसके माता-पिता के सारे सपने मर जाते हैं। उसकी माँ की गोद हमेशा के लिए सूनी हो जाती है। उसके पिता की बुढ़ापे की लाठी टूट जाती है। उसकी बहन की राखी अधूरी रह जाती है। उसके बच्चों का भविष्य उजड़ जाता है। एक हत्या केवल एक शरीर नहीं मारती, कई ज़िंदगियाँ बर्बाद कर देती है।

और यही बात लड़कों पर भी लागू होती है।

अगर कोई लड़की तुम्हें पसंद नहीं करती, अगर रिश्ता नहीं निभाना चाहती, तो उसे सम्मान के साथ जाने दो। तेजाब फेंकना, हत्या करना, प्रताड़ित करना या बदला लेना कभी मर्दानगी नहीं हो सकती।

आज सोशल मीडिया ने भी हमारे समाज को बहुत प्रभावित किया है। दिखावे की दुनिया में लोग रिश्तों को भी एक वस्तु की तरह देखने लगे हैं। कुछ लोग कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स, कुछ पैसों या कुछ पलों के आकर्षण के लिए अपने पूरे परिवार को दाँव पर लगा देते हैं। चार-चार, पाँच-पाँच बच्चों को छोड़कर चले जाना, विश्वास तोड़ देना, विवाह जैसे पवित्र बंधन का मजाक बना देना–क्या यही आधुनिकता है?

नहीं।

और मेरी हर बेटी से हाथ जोड़कर एक आखिरी विनती...

हमें बेटी होने पर लोगों को गर्व करने का अवसर दीजिए, शर्मिंदा होने का नहीं।

आपकी सबसे बड़ी पहचान आपका चेहरा नहीं, आपका चरित्र है।

आपकी सबसे बड़ी सुंदरता आपका श्रृंगार नहीं, आपके संस्कार हैं।

आपकी सबसे बड़ी ताकत आपकी आवाज नहीं, आपका विवेक, आपका धैर्य और आपकी इंसानियत है।

याद रखिए–

'आधुनिक बनिए, लेकिन अपने संस्कार कभी मत छोड़िए।'

'अगर शादी नहीं करनी, तो सम्मान के साथ 'ना' कह दीजिए; लेकिन किसी की जान लेने का अधिकार इस दुनिया में किसी को नहीं मिला।'

'रिश्ता निभा सकें तो पूरे सम्मान से निभाइए, और अगर निभा न सकें तो पूरे सम्मान के साथ अलग हो जाइए।'

'माँ-बाप अपने बच्चों को बड़ी उम्मीदों और अनगिनत त्याग के साथ पालते हैं। किसी का बेटा हो या बेटी, उनकी हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि पूरे परिवार के सपनों की हत्या होती है।'

आइए, ऐसा समाज बनाएँ जहाँ बेटियाँ भी सुरक्षित हों, बेटे भी सुरक्षित हों; जहाँ प्रेम में विश्वास हो, रिश्तों में सम्मान हो और इंसानियत सबसे ऊपर हो।

क्योंकि अंत में इंसान की पहचान उसके रूप, धन, प्रसिद्धि या आधुनिकता से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, उसके संस्कार और उसके कर्मों से होती है। यही हमारी असली पहचान है, यही भारत की पहचान है।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता महिला टी20 विश्व कप का खिताब

इंग्लैंड को उनके घर में ही 7 विकेट से हराकर किया शर्मसार

● लंदन

ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में टीम की भिड़ंत इंग्लैंड से थी। दोनों टीमों अजेय रहते हुए फाइनल तक पहुंची थी। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार खिताब अपने नाम किया है। अन्य कोई भी टीम एक बार से ज्यादा खिताब नहीं जीत पाई है। इंग्लैंड को चौथी बार फाइनल में हार मिली है। हर बार उसके सामने ऑस्ट्रेलिया की ही टीम थी। पहले बैटिंग करते हुए फाइनल में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 150 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से 18वें ओवर में मैच अपने नाम कर लिया। ऐतिहासिक लॉर्डस मैदान में खेले जा रहे मुकाबले में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही थी। इंग्लैंड ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को सस्ते में गंवा दिया। एमी जोंस 6 और डैनी व्याट 8 रन बनाकर आउट हुईं। 32

इस तरह 7वीं बार बनाया रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने रिकॉर्ड सातवीं बार विमेंस टी20 वर्ल्ड कप जीता है।यह टीम 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 और 2026 के संस्करण में चैम्पियन बनी। इंग्लैंड (2009), वेस्टइंडीज (2016) और न्यूजीलैंड (2024) ने एक-एक मौके पर टी20 वर्ल्ड कप में खिताबी जीत हासिल की। खास बात यह है कि सोफी मोलिनक्स की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस वर्ल्ड कप में एक भी मुकाबला नहीं गंवाया, जो उसके दबदबे का सबूत है।

रन पर 2 विकेट गंवा चुकी इंग्लैंड को कप्तान नैट सीवर-ब्रंट और एलिस कैप्सी ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। कैप्सी 20 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद इंग्लैंड को हेदर नाइट के रूप में चौथा झटका 70 के स्कोर पर लगा।

बेथ मूनी बनीं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले आईसीसी ने चार खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए नॉमिनेट किया था। इसमें ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, इंग्लैंड की डैनी व्याट-हॉज, भारत की स्मृति मंधाना और साउथ अफ्रीका की मारिजाने कैप का नाम शामिल था। लेकिन फाइनल मुकाबले के बाद इन चारों में से किसी को यह अवॉर्ड नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी को महिला टी20 विश्व कप 2026 का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। मूनी इस टूर्नामेंट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर रहीं। 7 मैचों में उन्होंने 47.60 की औसत और 142.51 की स्ट्राइट रेट से 238 रन बनाए। फाइनल मुकाबले में 64 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। बेन मूनी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं।

▶ 2022 का फ्रांस से हिसाब बराबर करना चाहेगी मोरक्को की टीम

4 वर्ष बाद फिर क्वार्टर फाइनल में होगी फ्रांस व मोरक्को की टक्कर

● नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट स्टेज में पराग्वे को 1-0 से हराने के बाद पिछले बार के उप-विजेता फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर लिया है। लेकिन फुटबॉल फैंस की नजरें अब अगले दौर के उस महामुकाबले पर टिक गई हैं, जहां फ्रांस का सामना अफ्रीका की जाइंट-किलर टीम मोरक्को से होने जा रहा है। यह मुकाबला केवल सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने की जंग नहीं है, बल्कि इसमें इतिहास की कड़वाहट और बदले की आग भी शामिल है।

याद दिला दें कि कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में भी यही दोनों टीमें आमने-सामने थीं। उस ऐतिहासिक नॉकआउट मुकाबले में फ्रांस ने मोरक्को के सपने को 2-0 से तोड़कर फाइनल का टिकट कटाया था। अब ठीक चार साल बाद, दोनों टीमें एक बार फिर वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में टकराने जा रही हैं। जहां एक तरफ मोरक्को के एटलस लायंस के पास पिछले सेमीफाइनल में मिली उस दर्दनाक हार का हिसाब चुकता करने का सुनहरा मौका है, वहीं फ्रांसीसी टीम विश्व फुटबॉल में मोरक्को पर अपने दबदबे को हर हाल में कायम रखना चाहेगी।

फ्रांस और पराग्वे के खिलाड़ी आपस में भिड़े

मैच का अंत बेहद गरमा-गरमी और ड्रामे के साथ हुआ। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल शैली के लिए जानी जाने वाली पराग्वे की टीम ने खेल को काफी आक्रामक बना दिया। अंतिम पलों में एम्बापे पर हुए एक खतरनाक टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए। मैच खत्म होने की सीटी बजने के बाद भी खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। इस दौरान फ्रांस के मानू कोने को भी रेफरी ने येलो कार्ड दिखाया। पराग्वे ने अंतिम पलों में बराबरी के लिए काफी जोर लगाया और फ्रांस के गोलकीपर माइक मैनन को एक शानदार सेव करने पर मजबूर किया, लेकिन वे फ्रांस के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं सके। अब पराग्वे की चुनौती को समाप्त करने के बाद फ्रांस के सामने मोरक्को की वो टीम है जो कनाडा को 3-0 से रौंदकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

एम्बापे ने की लियोनेल मेसी की बराबरी

फिलाडेल्फिया के मैदान पर फ्रांस को क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने का काम उनके करिश्माई कप्तान किलियन एम्बापे ने किया। पराग्वे के खिलाफ यह मुकाबला बेहद शारीरिक और तनावपूर्ण रहा, जिसे फ्रांस ने 1-0 से अपने नाम किया। मैच का निर्णायक मोड़ 70वें मिनट में आया, जब वीएआर रिव्यू के बाद रेफरी ने पाया कि पराग्वे के डिएगो गोमेज ने पेनाल्टी बॉक्स के अंदर फ्रांस के डेसिरे डुआरे को गलत तरीके से गिराया था। फ्रांस को मिली पेनाल्टी पर कप्तान एम्बापे ने कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलकीपर की विपरीत दिशा में नेट के अंदर डाल दिया। इस विनिंग गोल के साथ ही एम्बापे के इस टूर्नामेंट में 7 गोल हो गए हैं और वे गोल्डन बूट की रेस में लियोनेल मेसी के साथ टॉप पर पहुंच गए हैं।

भारत ए ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से रौंदा, गुरनूर व सुदर्शन छाए

अनाधिकारिक टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम का रहा दबदबा

● गाले

ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए ने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मुकाबले में श्रीलंका-ए को एकतरफा मुकाबले में मात दे दी है। 4 दिन तक चले खेल में भारतीय टीम का दबदबा देखने को मिला।

पहली पारी में श्रीलंकाई कप्तान सहन अचिनागे ने मेहमानों को खेल में बनाए रखा। उनकी टीम ने 366 रन बोर्ड पर लगाए। साई सुदर्शन के 168 रनों से लेकर सारांश जैन के 70 रनों ने भारत को 543 के स्कोर तक पहुंचाया। गुरनूर बराड़ ने पहली पारी में 4 बल्लेबाजों को शिकार बनाया फिर दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर विपक्षी टीम को 209 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया।

गुरनूर बराड़ ने दूसरी पारी में लिए 6 विकेट

गुरनूर बराड़ दूसरी पारी में भारत के लिए हीरो रहे। 12.5 ओवर के स्पेल में उन्होंने 6 विकेट लिए। श्रीलंका की ओर से ऐशेन बंडारा के 86 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में कामयाब नहीं हुआ। 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। श्रीलंका 209 के स्कोर पर सिमटा, जिसके चलते 33 रन का ही टारगेट मिला। साई और अमन की जोड़ी ने 38 गेंदों में इसे हासिल कर लिया। साई ने 25 रन की पारी खेली तो वहीं अमन ने 11 रनों का योगदान दिया।

साई सुदर्शन ने खेली 168 रन की पारी

भारत की ओर से पहली पारी में साई सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। 2 दिन के मैराथन पारी में उन्होंने 267 गेंदों तक क्रीज पर नजरें जमाई रखी। 22 चौकों के साथ उन्होंने 168 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल 94 के स्कोर पर आउट हुए। रुतुराज गायकवाड़ 13 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गए। ऐसे में भारत की पारी लड़खड़ाती हुई नजर आ रही थी। कप्तान ध्रुव जुरेल और सारांश जैन ने निचले क्रम में आकर क्रमशः 53 और 70 रन की पारी खेली। जिसके बूते भारत ने 543 रन बनाए।

टैलेंट सर्च में दिखा युवाओं का दम

बॉक्सिंग-बैडमिंटन और तीरंदाजी ट्रायल्स में उमड़ीं प्रतिभाएं

● भोपाल / खेल संवाददाता

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित टैलेंट सर्च 2026-27 अभियान प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर बन रहा है। राज्य खेल अकादमियों के लिए योग्य खिलाड़ियों के चयन के लिए आयोजित ट्रायल्स में लगातार बढ़ती भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने पूरी तरह तैयार हैं। राजधानी स्थित टीटी नगर स्टेडियम तथा झाबुआ में आयोजित चयन ट्रायल्स में

खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीटी नगर स्टेडियम स्थित मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी में आयोजित चयन ट्रायल्स में कुल 148 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

बुमराह ने रेड बॉल से शुरु की प्रैक्टिस

इंग्लैंड वनडे और श्रीलंका टेस्ट सीरीज पर नजर

● नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को उन्होंने अहमदाबाद में लाल एसजी बॉल से गेंदबाजी करते हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। बुमराह आईपीएल से ब्रेक के बाद गुजरात डोमेस्टिक टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से आराम दिया गया है।

टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से

बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए आईपीएल 2026 में 13 मैचों में सिर्फ 4 विकेट लिए। उनका औसत 102.50, इकोनॉमी 8.36 और बेस्ट प्रदर्शन 15 रन देकर 1 विकेट रहा। बुमराह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 पारियों में 14 विकेट लेकर टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 15 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद भारत 15 से 27 अगस्त तक श्रीलंका में दो टेस्ट मैच खेलेगा।

बाबर आजम 3 साल बाद फिर से बने टेस्ट कप्तान

● लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान करते हुए बाबर आजम को कप्तानी सौंप दी है। बाबर ने शान मसूद की जगह ली है, जो पिछले कुछ समय से टीम की कमान संभाल रहे थे।

बाबर अब 25 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज और 19 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान की अगुआई करेंगे।

नोवाक जोकोविच क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, आरएनएन। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रविवार को उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में 132वीं रैंकिंग वाले क्वालिफायर रोमन सफीउलिन की चुनौती को पार करते हुए रोजर फेडरर के एक बड़े विंबलडन रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया। सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच ने ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी 106वीं मैच जीत दर्ज की। अब वह विंबलडन में पुरुषों की सर्वकालिक सूची में रोजर फेडरर (105 जीत) को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। वह अभी ओवरऑल लिस्ट में मार्टिना नवरातिलोवा के 120 मैच जीत के रिकॉर्ड से पीछे हैं।

ऑल इंग्लैंड क्लब में 106वीं मैच जीत दर्ज की

आर प्रज्ञानंद पिछड़े, फ्रांस के फिरोजा ने बनाई बढ़त

● नई दिल्ली

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है। अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है।

कड़वाहट सोशल मीडिया पर तेज हुई अटकलें, क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की मार्च 2026 में हुई थी सगाई

पृथ्वी शॉ और मंगेतर आकृति के रिश्ते में दरार

● नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति अग्रवाल की एक कथित इंस्टाग्राम पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पोस्ट में आकृति ने बिना किसी का नाम लिए अपने साथ हुए कथित धोखे का जिक्र किया है। हालांकि उन्होंने कहीं भी सीधे तौर पर पृथ्वी शॉ का नाम नहीं लिया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आकृति अग्रवाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा था,

मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। एक कदम आगे बढ़ने के बाद भी मुझे अब तक यकीन नहीं होता। इसके बाद उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, सब कुछ सच है। हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उसके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। बताया जा रहा है कि यह पोस्ट बाद में डिलीट कर दी गई। हालांकि इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। आकृति की इस कथित पोस्ट के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कई यूजर्स का मानना है कि यह पोस्ट पृथ्वी शॉ की ओर इशारा कर रही थी।

आईपीएल 2026 में नहीं खेले थे एक भी मैच

पृथ्वी शॉ दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें आईपीएल 2026 में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। कुछ समय से उनका करियर खराब फॉर्म और फिटनेस की समस्याओं से प्रभावित रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में पृथ्वी शॉ ने टीम इंडिया में वापसी की अपनी इच्छा जताते हुए कहा कि वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले साल उन्होंने मानसिक रूप से खुद को तरोताजा करने कुछ समय का ब्रेक लिया था।

खामेनेई के जनाजे में उमड़े लाखों लोग

जनाजे की तीन पुत्रों ने अदा की नमाज, शामिल नहीं हुए सर्वोच्च नेता मोजतबा

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के पार्थिव शरीर पर रविवार को उनके तीन पुत्रों मुस्तफा, मसूद और मैसम खामेनेई ने नमाज-ए-जनाजा अदा की, हालांकि उनके उत्तराधिकारी और वर्तमान सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई इस दौरान नमाज अदा करते नजर नहीं आये। तेहरान स्थित इमाम खुमैनी ग्रैंड मुसल्ला में आयोजित नमाज-ए-जनाजा में तीनों पुत्र अपने पिता और उनके साथ मारे गये परिवार के चार अन्य सदस्यों के ताबूतों के पास शोक व्यक्त करते दिखाई दिये। दिवंगत खामेनेई के सबसे बड़े पुत्र 64 वर्षीय मुस्तफा खामेनेई शिया धर्मगुरु हैं। उनकी राजनीतिक गतिविधियां सीमित रही हैं। वह वर्तमान में ईरानी सरकार में कोई पद नहीं संभाल रहे हैं, हालांकि धार्मिक हलकों में उन्हें प्रभावशाली माना जाता है। दूसरी ओर, 52 वर्षीय मसूद खामेनेई भी शिया धर्मगुरु हैं और दिवंगत नेता के तीसरे पुत्र हैं। वह ऑफिस फॉर प्रिजर्विंग एंड पब्लिशिंग खामेनेई वर्क्स का संचालन करते हैं, जो सर्वोच्च नेता के भाषणों और विचारों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार का कार्य करता है।

डेथ टु अमेरिका और डेथ टु इजराइल के नारे लगे

ईरानी लीडरशिप खत्म कर सकते थे : ट्रम्प
तुम्हारे पास न सभ्यता है न सम्मान: ईरान

● तेहरान/वॉशिंगटन

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान का पूरा शीर्ष नेतृत्व मौजूद था और अमेरिका चाहे तो एक ही हमले में सभी को खत्म कर सकता था। एक्सिओस से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि हालांकि मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि फिर बातचीत के लिए कोई नहीं बचता। ट्रम्प ने जनाजे में रो रहे लोगों पर भी तंज कसते हुए कहा कि शायद ये आंसू भी नकली हों। ट्रम्प के बयान पर ईरान ने पलटवार किया। आर्मेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा कि लोगों को मारा जा सकता है, लेकिन विचारों को नहीं। आपके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान। दूसरी तरफ तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई के अंतिम दर्शन के लिए तीसरे दिन लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी है। इस दौरान डेथ टु अमेरिका और डेथ टु इजराइल के नारे लगे। शिया संप्रदाय के कुल 12 पवित्र इमामों में से इमाम रजा एकमात्र ऐसे इमाम हैं जिन्हें ईरान की धरती पर दफनाया गया है।

बाकी के सभी इमाम या तो सऊदी अरब (मदीना) में हैं या इराक (नजफ, करबला, सामर्रा) में। इमाम रजा शिया इस्लाम के आठवें इमाम माने जाते हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता से डरकर तत्कालीन शासक अब्बासी खलीफा ने जहर देकर हत्या करा दी थी। जहां इमाम रजा को दफनाया गया, उस जगह का नाम बाद में मशहद (शहीद होने की जगह) पड़ गया, जो आज ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।

आईआरजीसी कमांडर की मौजूदगी चर्चा में

अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर अहमद वाहिदी भी शामिल हुए। उनकी मौजूदगी सबसे ज्यादा चर्चा में रही। वाहिदी आमतौर पर सार्वजनिक समारोहों में नजर नहीं आते हैं, इसी कारण उनका इस अंतिम संस्कार में रहना चर्चा का विषय बन गया है। फार्स न्यूज एजेंसी और अन्य ईरानी मीडिया की तस्वीरों और वीडियो में वाहिदी को पहली पंक्ति में बैठे देखा गया। समारोह में कई लोग उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते भी नजर आए।

पाक फोर्स ने लोगों पर गोलियां चलाई, कई लोग घायल

पीओके में पाक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, जुटे थे 40 हजार प्रदर्शनकारी

● नई दिल्ली

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जाक) के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां चला दीं। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जाक ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे।

संगठन का आरोप है कि डुडियाल के एएमबी इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाक सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जाक का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन जाक के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है। संगठन ने गिरफ्तार नेताओं और कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, डेरा इस्माइल खान में चल रहे धरना स्थल पर भी कई अलग-अलग इलाकों से लोगों के काफिले लगातार पहुंचते रहे। प्रदर्शन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भी बड़ी भागीदारी बताई गई।

प्रदर्शनकारियों ने की भारत से मदद की अपील

पीओके) में स्थिति पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। सरकार की दमनकारी नीतियों और 600 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं की सामूहिक गिरफ्तारी के विरोध में पूरे क्षेत्र में पाक विरोधी विद्रोह भड़क उठा है। आंदोलन के प्रमुख चेहरे शौकत नवाज मीर की नजरबंदी के बाद जाक ने इस्लामाबाद को सीधी चुनौती देते हुए आंदोलन तेज कर दिया है। आंदोलनकारी नेताओं ने भारत की ओर रुख करते हुए कश्मीर के इस पार से मदद की गुहार लगाई है। पीओके में इन दिनों हालात पूरी तरह बेकाबू हैं। सरकारी दमन, और प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर की नजरबंदी के बाद जाक ने पाक के खिलाफ खुला विद्रोह कर दिया है। आंदोलनकारियों ने भारत की ओर हाथ बढ़ाते हुए अपील की है कि एलओसी तोड़ दो, हमें आपकी जरूरत है। दूसरी ओर महाराष्ट्र में गोरी ब्यूटी क्रीम नाम से बिक रही पाक क्रीम में अत्यधिक मात्रा में मरकरी और शीशा पाए जाने के बाद उसे पूरे देश में बैन किया गया है।

यूक्रेन को गुप्त पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइल भेजने के पोलैंड पर आरोप

सियासी बवाल : विपक्ष ने टस्क सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

● वरसा

पोलैंड में यूक्रेन को कथित तौर पर गुप्त रूप से पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें भेजे जाने के आरोपों ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।

सोशल मीडिया पर किए गए दावों में कहा गया कि पोलैंड ने मार्च में अमेरिका निर्मित पीएसी-3 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का एक बैच यूक्रेन को भेजा था। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। संसद के उपाध्यक्ष और विपक्षी नेता क्रिज़्टोफ बोसाक ने कहा कि यदि यह दावा सही है तो यह गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि पैट्रियट मिसाइलें पोलैंड की वायु सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हैं और भविष्य में किसी भी सैन्य हथियार या उपकरण को विदेश भेजने से पहले संसद की मंजूरी अनिवार्य की जानी चाहिए।

पूर्व रक्षा मंत्री मारियुश ब्लाश्चाक ने भी सरकार से पूछा है कि क्या वास्तव में मिसाइलें यूक्रेन भेजी गईं और क्या इससे अमेरिका से मिलने वाली पोलैंड की अपनी पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण पैट्रियट मिसाइलों की मांग तेजी से बढ़ी है। अमेरिका को भी अपने कुछ सहयोगी देशों को इनकी आपूर्ति में देरी करनी पड़ी है।

सुरक्षा बलों की मणिपुर में कार्रवाई, 4 उग्रवादी पकड़े

भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद बरामद

● इंफाल

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और जबरन वसूली के खिलाफ अभियान तेज करते हुए चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें बैन संगठन यूएनएलएफ (पी) का एक सक्रिय सदस्य भी शामिल है। इसके अलावा चंदेल और थौबल जिलों में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, तीन जुलाई को इंफाल पूर्व जिले के मणिपुखरी क्षेत्र से प्रतिबंधित यूएनएलएफ (पी) के सक्रिय सदस्य चंदम गीतचंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। उस पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप है। पुलिस का दावा है कि वह पाओना बाजार क्षेत्र में एक इमारत में ठहरा हुआ था, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। इसी तरहह से चंदेल जिले के मोलचाम थाना क्षेत्र के मोम्बी गांव और थौबल जिले के हीरोक थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 13 पिस्तौल और बंदूकें, दो अस्थायी मोर्टार, 13 ग्रेनेड, विभिन्न हथियारों की कई मैगजीन तथा 1,300 कारतूस बरामद किए गए।

नॉर्थ कोरिया के पोत कांग कोन ने बरसाई मिसाइलें

प्योंगयांग, (आरएनएन)। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन पारंपरिक लेकिन बेहद आक्रामक नौसैनिक बेड़ा खड़ा करने में जुटे हैं। हाल ही में किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया के नए विध्वंसक कांग कोन के डेक से क्रूज मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया, जो स्पष्ट संकेत है कि प्योंगयांग समुद्री मारक क्षमता को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए बेताब है। कांग कोन विध्वंसक का समुद्र में उतरना उ.कोरियाई नौसेना के लिए केवल सैन्य परीक्षण नहीं, बल्कि बड़ी मनोवैज्ञानिक जीत भी है। 2025 में लॉन्चिंग समारोह में गंभीर तकनीकी फेल्योर का शिकार हो गया था।

यूनेस्को हेरिटेज सूची में शामिल होगी छठ पूजा

● नई दिल्ली

लोक आस्था के महापर्व छठ को यूनेस्को इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेड की लिस्ट में शामिल कराने के लिए कोशिशें तेज हो गई हैं।

द इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज यानी इनटाक ने दो साल के गहन रिसर्च के बाद इसके लिए दस्तावेज तैयार कर लिए हैं और इसे संस्कृति मंत्रालय को भेज दिया गया है। केंद्र मूल्यांकन को दस्तावेजों को यूनेस्को को भेजेगी और इस पर 2027 तक फैसला हो जाएगा। छठ मुख्य रूप से बिहार का पर्व है। लेकिन यह पूर्वी उप्र, झारखंड, बंगाल, नेपाल और दुनिया से उन सभी जगहों पर मनाया जाता है।

लिथुआनिया में परमाणु हथियारों पर लगी संवैधानिक रोक हटाने की तैयारी

संसद में प्रस्ताव पेश

विनियस, आरएनएन। रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच लिथुआनिया ने अपने संविधान से परमाणु हथियारों की तैनाती पर लगी रोक हटाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। 141 सदस्यीय संसद (सीमास) के 51 सांसदों ने संविधान संशोधन का प्रस्ताव पेश किया है। इस पहल को राष्ट्रपति गितानास नौसेदा का समर्थन प्राप्त है। प्रस्ताव में संविधान के अनुच्छेद-137 को हटाने की बात कही गई है। यह अनुच्छेद देश में सामूहिक विनाश के हथियारों और विदेशी सैन्य अड्डों की मौजूदगी पर रोक लगाता है। सरकार का तर्क है कि बदलते सुरक्षा माहौल में यह प्रावधान अब अप्रासंगिक हो गया है। लिथुआनिया और अन्य बाल्टिक देश लंबे समय से रूस से संभावित खतरे का हवाला देते रहे हैं। हालांकि रूस इन आरोपों को खारिज करता है और कहता है कि नाटो देशों पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है।

आज का इतिहास

- **1946** : नीतिशास्त्र के महान दार्शनिक पीटर सिंगर का जन्म।
- **2006** : नाथूला दर्रा 44 साल बाद खोला गया।
- **1947** : सोवियन संघ में एके-47 रायफलों का निर्माण शुरू।
- **2002**: चर्चित भारतीय उद्योगपति धीरूभाई अंबानी का निधन।
- **1885** : महान वैज्ञानिक लुई पाश्चर ने रेबीज रोधी टीके का पहली बार इस्तेमाल किया।
- **1892** : दादा भाई नौरोजी ब्रिटेन की संसद में चुने जाने वाले प्रथम अश्वेत एवं भारतीय बने।

गगनयान मिशन इस परीक्षण से क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी को जांचा गया

इसरो ने सॉल्व रॉकेट मोटर का पहला सफल परीक्षण किया

● चेन्नई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में एक और अहम उपलब्धि हासिल करते हुए सॉल्व (सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स) के ठोस ईंधन (सॉलिड मोटर) वाले रॉकेट का पहला सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण का उद्देश्य गगनयान के क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी की जांच करना था।

इसरो ने बताया कि यह टेस्ट तीन जुलाई को सुबह 10 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी में किया गया। परीक्षण के दौरान मोटर का प्रदर्शन निर्धारित मानकों के अनुरूप रहा। सॉल्व एक विशेष परीक्षण रॉकेट है, जिसे गगनयान मिशन से पहले अलग-अलग परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल की सुरक्षा प्रणाली की जांच के लिए विकसित किया गया है।

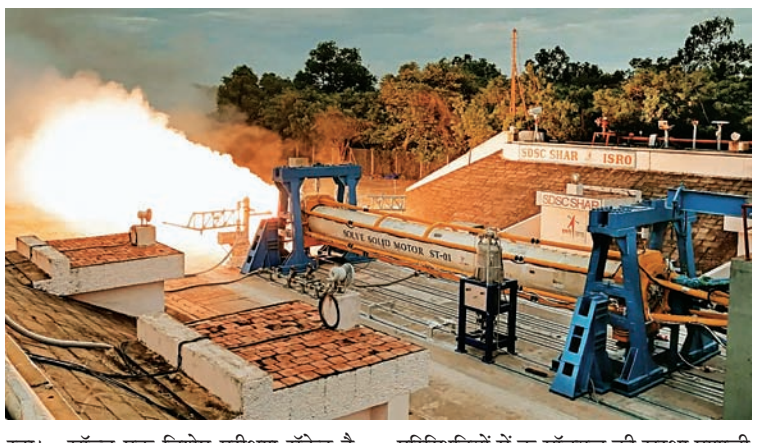

क्रू मॉड्यूल को 10 से 17 किमी की ऊंचाई पर ले गए

इन परीक्षणों के दौरान क्रू मॉड्यूल को लगभग 10 से 17 किमी की ऊंचाई तक ले जाया जाएगा। इसके बाद इसे रॉकेट से अलग किया जाएगा और उसकी सुरक्षित लैंडिंग के लिए क्रमवार 10 पैराशूट खोले जाएंगे, जिससे उसकी गति कम होकर वह सुरक्षित रूप से समुद्र में उतरे। इसरो के अनुसार ''सॉल्व'' का ठोस ईंधन वाला चरण पीएसएलवी रॉकेट के स्ट्रैप-ऑन मोटर पर आधारित है, लेकिन गगनयान मिशन की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें कई तकनीकी बदलाव किये गये हैं। इनमें धीमी गति से जलने वाले प्रणोदक और दिशा नियंत्रण प्रणाली में सुधार शामिल हैं।

दोसांझ की सतलुज रिलीज के 48 घंटे बाद हटाई गई

● नई दिल्ली / आरएनएन

नई दिल्ली, आरएनएन। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज नाम से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर तीन जुलाई को रिलीज़ हो गई थी, लेकिन पांच जुलाई को इसे प्लेटफार्म से हटा दिया गया।

जी5 के आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस पर कहा है, कि सतलुज भले ही थम गई हो, लेकिन उसने जो चर्चा छेड़ी थी, वो अब भी जारी है। आपके अपार प्यार के लिए दिल से धन्यवाद। हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही इसे फिर से आपके बीच लेकर आएंगे। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस फिल्म के रिलीज़ होने के बाद फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहन ने कहा था कि इस फिल्म में कोई कांट-छांट नहीं की गई है और न ही इसके मूल स्वरूप से कोई समझौता किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक संपादक: नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, झोटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड़, जयपुर-302006 से मुद्रित एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झालाना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। प्रबंध संपादक- पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)